

&gt;

Title: Need to set up a modern Library in Nalanda University, Bihar-Laid

**श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा):** नालंदा अन्तर्गत प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में पुनर्निर्माण की अति आवश्यकता है। आप जानते हैं कि प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय पूरे विश्व में ज्ञान का केन्द्र था। नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना गुप्त वंश के शासक कुमार गुप्त प्रथम ने 450-470 ई० के बीच किया था। यह विश्वविद्यालय स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना था। यहां पर करीब 10 हजार से अधिक छात्रों के पठन-पाठन की व्यवस्था थी और करीब 2 हजार से अधिक अध्यापकों की संख्या थी। ये सभी विद्यार्थी अधिकतर विदेशी थे, जो मुख्यतः कोरिया, जापान, चीन, तिब्बत, इण्डोनेशिया, फ्रांस, तुर्की आदि देशों के होते थे। उनके लिए यहां विशालकाय पुस्तकालय भवन थी था। कहा जाता है कि इस पुस्तकालय में करीब 3 लाख से अधिक ज्ञान की महत्वपूर्ण पुस्तकें थीं। नालंदा उस समय भारतवर्ष में उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण और विख्यात केन्द्र था। महायान बौद्धधर्म के इस शिक्षा केन्द्र में हीनयान बौद्धधर्म के साथ ही अन्य धर्मों तथा अनेक देशों के छात्र पढ़ते थे। विश्वविद्यालय में आचार्य छात्रों को मौखिक व्याख्यान द्वारा शिक्षा देते थे। व्याकरण, दर्शन, शल्य विद्या, ज्योतिष, योग शास्त्र तथा चिकित्सा शास्त्र भी पाठ्यक्रम के अन्तर्गत था। विद्वानों का मत है कि यहां धातु की मूर्तियां बनाने के विज्ञान का भी अध्ययन होता था। यहां खगोल-शास्त्र अध्ययन के लिए एक विशेष विभाग था। इस विश्व विख्यात विश्वविद्यालय में स्थित पुस्तकालय नौ-तेल का था, जो हजारों विद्यार्थियों और आचार्यों के अध्ययन का केन्द्र था। इस बौद्ध विश्वविद्यालय के अवशेष के खोज का श्रेय अलेक्जेंडर कनिंघम को जाता है।

सन् 1199 में तुर्की शासक बख्तियार खिलजी, जो बिहार का मुगल शासक भी था, ने नालंदा विश्वविद्यालय में आग लगवा दी थी। कहा जाता है कि विश्वविद्यालय में इतनी पुस्तकें थीं कि पूरे तीन महीने तक यहां पुस्तकालय में

आग धधकती रही । उसने प्राचीन भारत की उपलब्धि को नष्ट करने के लिए यह सब कर कार्य किया ।

अतः केन्द्र सरकार से आग्रह है कि नालंदा विश्वविद्यालय में प्राचीन पुस्तकालय की तरह ही एक आधुनिक पुस्तकालय की स्थापना के लिए केन्द्र सरकार पूरा सहयोग प्रदान करे, जिससे कि भविष्य में हमारी युवा पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास के बारे में जानकारी हासिल हो सके ।